

---

shrI yAdagiri laxmInRisiMha prapattiH

श्रीयादगिरि लक्ष्मीनृसिंह प्रपत्तिः

Document Information

---

Text title : yAdagiri lakShmI narasi.nha prapattiH

File name : yAdagirilaxmiprapatti.itx

Category : vishhnu, vishnu\_misc, stotra, vAngIpuram-narasinHachArya, vishnu

Location : doc\_vishhnu

Author : va.ngIpuram narasi.nhAchArya

Proofread by : Venkata N Vangeepuram vangeepuram at rediffmail.com Grandson of the composer

Latest update : December 15, 2004

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 8, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीयादगिरि लक्ष्मीनृसिंह प्रपत्तिः



लक्ष्मीनृसिंह ललनाम् जगतोस्यनेत्रीम्  
मातृस्वभाव महिताम् हरितुल्य शीलाम् ।  
लोकस्य मङ्गलकरीम् रमणीय रूपाम्  
पद्मालयाम् भगवतीम् शरणम् प्रपद्ये ॥ १ ॥

श्रीयादनामकमुनीन्द्रतपोविशेषात्  
श्रीयादशैलशिखरे सतत प्रकाशौ ।  
भक्तानुरागभरितौ भवरोग वैद्यौ  
लक्ष्मीनृसिंह चरणौ शरणम् प्रपद्ये ॥ २ ॥

देवस्वरूप विकृतावपिनैजरुपौ  
सर्वोत्तरो सुजन सरु निशेव्यमानौ ।  
सर्वस्य जीवनकरौ सदृशस्वरूपौ  
लक्ष्मीनृसिंह चरणौ शरणम् प्रपद्ये ॥ ३ ॥

लक्ष्मीशते प्रपदने सहकारभूतौ  
त्वत्तोप्यति प्रियतमौ शरणागतानाम् ।  
रक्षाविचक्षण पटू करुणालयौ श्री  
लक्ष्मीनृसिंह चरणौ शरणम् प्रपद्ये ॥ ४ ॥



प्रह्लाद पौत्र बलिदानव भूमिदान  
कालप्रकाशित निजान्य जघन्य भावौ ।  
लोकप्रमाण करणौ शुभदौ सुरानाम्  
लक्ष्मीनृसिंह चरणौ शरणम् प्रपद्ये ॥ ५ ॥

कायादवीय शुभमानस राजहंसौ  
वेदान्त कल्पतरु पल्लव टल्लि जौतौ ।  
सद्भक्त मूलधनमित्युदित प्रभावौ  
लक्ष्मीनृसिंह चरणौ शरणम् प्रपद्ये ॥ ६ ॥ ।

॥ इति श्री वाङ्गीपुरम् नरसिंहाचार्य विरचितं  
श्री यादगिरि लक्ष्मीनृसिंह प्रपत्तिः समाप्तम् ॥

Encoded and proofread by Venkata N Vangeepuram  
vangeepuram@rediffmail.com

---

——  
*shrI yAdagiri laxmInRisiMha prapattiH*  
pdf was typeset on July 8, 2023  
——

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

